दर्शनशास्त्र - 2020-21

भाग "अ"

वस्तुनिष्ठ अनिवार्य 50 प्रश्न का होगा। प्रत्येक प्रश्न 1 नम्बर का होगा एवं शोध प्रविधि से संबंधित होगा ।

पूर्णांक 50

शोध प्रविधि

भाग "A"

Unit I दर्शन में शोध का महत्व, शोध की संकल्पना, सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक शोध, निगमनात्मक एवं आगमनात्क पद्धति की शोध में उपयोगिता

Unit II शोध के विभिन्न स्त्रोत, प्रकार, समस्याएं, विश्लेषण एवं स्तर, शोध की विविध पद्धतियां – विवरणात्मक, तुलनात्मक, परिभाषात्मक, विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक

Unit III शोध समस्याओं की पहचान, शोध के उद्देश्य, परिकल्पनाओं का निर्माण, परिकल्पनाओं के प्रकार, स्त्रोतों का पुर्ननिरीक्षण, प्राथमिक व द्वितीयक स्त्रोत

Unit IV प्रमाणिक (शास्त्रीय) साहित्य सर्वेक्षण, संदर्भ ग्रन्थ सूची, संबंधित सामग्री का निर्माण, संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन

Unit V तथ्य संचय, तथ्यों का सारणयीकरण, तथ्यों व प्राप्तियों का वर्गीकरण, कम्प्यूटर की उपेयोगिता, लेखनी की शुद्धता, परिभाषाओं एवं तकनीकि शब्दों की भाषागता व्याख्या ।

प्रस्तुत पाठ्यक्रम दो भागों में है । भाग "अ" एवं भाग "ब"। भाग "अ" शोध प्रविधि पर आधारित है एवं भाग "ब" दर्शनशास्त्र पर आधारित है । भाग "अ" में पांच यूनिट हैं एवं भाग "ब" में भी पांच यूनिट है प्रत्येक भाग 50 नम्बरों का है।

Part – A

Shall consist of 50 Objective types questions of 1 mark each based on Research Methodology

Total Marks 50

<u>Part – A - Research Methodology</u>

Unit I - Significance of the research in philosophy Research hypothesis, Theoretical & Practical Research the use of Deducing Inductive Methods in Research.

Unit II - Sources, Types, Problems, analysis levels of Research, Different, Types of Research methods- Descriptive, Comparative, Quantitative Qualitative analytical, & Critical.

Unit III - Identification & Research Problems, Objectives of Research, Hypothesis Formation Types of Hypothesis, Review of Sources, Elementary and secondary Sources,

Unit IV - Observation of Classical Literature, Bibliography (Thematic Formation) (Content forming) Restudy and Reanalysis of Concerning Literature.

Unit V - Collection of Facts, Tabulation of facts, classification of Facts and findings utility of computer clarity of writings language analysis of Technical words and definitions

सदस्य अध्यक्ष-अध्ययन मंडल

दर्शन शास्त्र

Syllabus for DET (Doctorate Entrance Test)

Philosophy – Vikram University Ujjain

पूर्णांक – 100

प्रस्तुत पाठ्यक्रम दो भागों में है । भाग "अ" एवं भाग "ब"। भाग "अ" शोध प्रविधि पर आधारित है एवं भाग "ब" दर्शनशास्त्र पर आधारित है । भाग "अ" में पांच यूनिट हैं एवं भाग "ब" में भी पांच यूनिट है प्रत्येक भाग 50 नम्बरों का है। इस प्रकार पाठ्यक्रम कुल 100 नंबर का है ।

Prof. & Head
P.G. Deptt. of Philosophy

SYLLABUS For DET (Doctoral Entrance Test)

Subject - Philosophy . vikram university

(DET) - पीएचडी प्रवेश पात्रता हेतु पाठ्यक्रम, विषय - दर्शनशास्त्र - विक्रम वि०वि० Total marks - 100

पूर्णांक - 100

नोट - प्रस्तुत पाठ्यक्रम दो भागों में है। भाग 'अ' एवं भाग 'ब'। भाग 'अ' शोध प्रविधि पर आधारित है एवं भाग 'ब' दर्शनशास्त्र विषय पर आधारित है। भाग 'अ' में पाँच यूनिट हैं एवं भाग 'ब' में भी पाँच यूनिट हैं। प्रत्येक भाग 50 अंकों का है। इस प्रकार प्रस्तुत पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है।

Note — This Syllabus contains two Parts. Part 'A' is based on research methodology and part 'B' is based on philosophy. The Syllabus carries 10 units. 5 units for Part 'A' and 5 units for Part 'B'. each part carries 50 marks. Total marks of this syllabus is 100.

Part 'A' . Research Methodology Total marks (50)

This Syllabus Carries 5 units and each unit carries 10 marks. Part 'A' shall consist of 50 objective type questions of 1 mark each based on research methodology.

unit I. Significance of the Research in Philosophy, Research hypothesis, Theoritical & practical Research, the use of deductive & inductive methods in Research.

unit II. Sources, Types, problems, Analysis & Levels of Research, Different Types of Research Methods - Descriptive, comparative, Quantitative, Qualitative, analytical & critical.

Unit III. Identification of Research problems, objectives of Research, Hypothesis formation, Types of Hypothesis, Re-view of sources, Elementory & secondory sources.

unit IV Search & Observation of Classical Literature, Bibliography, Thematic Re-formation, (content forming) Re-study and Re-analysis of concerning literature.

unit V Collection of facts, Tabulation of facts, Classification of facts and findings, utility of computer, Clearity of writing, Language Analysis of Technical words & Definitions.

(Part 'B' यथावत है)

P. Kapoor
डॉ. पुष्पा कपूर
अध्यक्ष - अध्ययन बोर्ड

Dr. Shobha Mishra

सदस्य - अध्ययन बोर्ड (दर्शनशास्त्र) विक्रम वि०वि०

Part-'A'- भाग-अ शोध प्रविधि पूर्णांक (50)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम पाँच यूनिट का है एवं प्रत्येक यूनिट 10 अंको की है। भाग अ 50 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्नों का होगा। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का एवं शोध प्रविधि से सम्बन्धित होगा।

इकाई-1- दर्शन मे शोध का महत्व, शोध संकलपना, सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक शोध, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक पद्धति की शोध में उपयोगिता।

इकाई-2- शोध के विभिन्न स्रोत, प्रकार, समस्याएं, विश्लेषण एवं स्तर, शोध की विविध पद्धतियाँ - विवरणात्मक, तुलनात्मक परिमाणात्मक विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक।

इकाई-3 शोध समस्याओं की पहचान, शोध के उद्देश्य, परिकल्पनाओं का निर्माण, परिकल्पनाओं के प्रकार, स्रोतों का पुर्नावलोकन, प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत,

इकाई-4 खोज एवं सर्वेक्षण (शास्त्रीय (प्रामाणिक) साहित्य की) सन्दर्भ ग्रन्थ सूची, सम्बन्धित सामग्री का निर्माण, सम्बन्धित साहित्य का पुर्नअध्ययन एवं (पुर्नव्याख्या) पुर्नविश्लेषण।

इकाई-5 तथ्य संचय, तथ्यों का सारणीकरण, तथ्यों एवं प्राप्तियों का वर्गीकरण, कम्प्यूटर की उपयोगिता, लेखनी की शुद्धता, परिभाषाओं एवं तकनीकि शब्दों की भाषागत व्याख्या।

अनुशंसित पुस्तकें

1. सामाजिक अनुसंधान की पद्धतियाँ - डा. जी. के अग्रवाल, डा. एस. एस. पाण्डेय, एस. बी. पी. डी. पब्लिशिंग हाउस, आगरा. उ. प्र.
2. सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी — — वही —
3. सामाजिक अनुसंधान का प्रणाली विज्ञान, डा. धर्मवीर महाजन, डा. कमलेश महाजन, (विवेक प्रकाशन, जवाहर नगर - दिल्ली-7
4. शोध पद्धतियाँ - डा. डी. एस. बघेल

डा. शोभा मिश्रा
Dr. Shobha Mishra
सदस्य - अध्ययन बोर्ड (दर्शनशास्त्र)
विक्रम विश्वविद्यालय - उज्जैन

डॉ. पुष्पा दुबे
अध्यक्ष - अध्ययन बोर्ड

Ph.D./M.Phil. Syllabus - Vikram University, Ujjain
Subject : Philosophy

PART 'B'

This Syllabus Carries 05 units and each unit carries 10 marks

Total Marks : 50

UNIT-1

A) Vedic Philosophy - Purushasukta, Nasadiya Sukta, Bahudave vad, The Concept of RIT, Meaning of Shruti Smriti and Puran, Upanishadic Philosophy Tritatta,(Brhama, Jagat Maya) Geeta-Darshan-Shristi Memansa and Tattva memansa.

B) Greek Philosophy - The Philosophical Traditions of Pre socratic Period. Socratic concepts of Knowledge, Plato's Charactertics of Ideas. Aristotle's Theory of Causation. Importance of Philosophy of Saint Augustine and Aquvinese.

UNIT-2

A) Indian Philosophy - Syadvad & Dravya Vichar of Jain, Momentism and Nirvana of Buddhist Philosophy, Sankhya - Prakriti and Purusha Vikasvad, Ishwar to yoga and Astanga Yoga, Epestmeology of Nyava (Pramane Memansa)

B) Khytivad and Karmavada of Memansa, Sadhna Chatustushtya of Adwait Vedant and Moksha, Vishstadunt - Refutation of Maya and its criticism. Main characterestics of contemporary Indian philosophy and Introduction of Main Contents Prary Indian Philosphers.

UNIT-3

A) Western Philosophy - The Metophysical analysis of Rational Thinkers - Descarte, Spinoza Leibnitz, The Epistemology of Empiricist Philosophers - Lock, Berkeley Hume, Cristicism of Kant.
Idealesm of Hegel and Bradley, Realism of Moore and Russel. The main characterstics of Contemporary western Philosophy & Introduction of main contemporary western thinkers.

UNIT-4

A) Ethics - The nature and necessity, shubha and Ashubha Good and Evil Freedom of Will, Moral Judgement, Valueoriented and Facts Oriented.

B) Meaning of metaethics - Cognitive and Non-congitive theories.

UNIT-5

A) The philosophy of Religion - Religious devotion and religious experiences - Arguments for Existence of God. Cosmological, Ontological, Teleological

B) Logic - Deduction and Induction, Truth and Validity, Proposition and its classificaton, Logical fallacy and logical symbols.

Letter (264)

NOTE :— Part 'B' Shall consist of 50 objective type questions of 1 mark each based on the Subject of the Philosophy.

P. Nagar

एम.फिल. एवं शोध कार्य हेतु पाठ्यक्रम – प्रवेश पात्रता परीक्षा

नोट :– प्रस्तुत पाठ्यक्रम पांच इकाईयों में विभाजित है ।
प्रत्येक इकाई 10 अंकों की है — पूर्णांक – 50

भाग-'ब'

विषय :– दर्शनशास्त्र

इकाई–1

अ) वैदिक दर्शन – पुरूष सूक्त, नासदीय सूक्त, बहुदेववाद, ऋत की अवधारणा, श्रुति, स्मृति एवं पुराण का अर्थ,
उपनिषद दर्शन – त्रितत्व (ब्रहम–जगत7माया), गीता दर्शन – सृष्टि मीमांसा – तत्व मीमांसा

ब) ग्रीक दर्शन – सुकरात पूर्व दर्शन की परमपराएं, सुकरात – ज्ञान का स्वरूप,
प्लेटो – प्रत्यय की विशेषता अरस्तु – कारणता का सिद्धांत, सन्त आगस्टाइन एवं एक्वानिस के दर्शन का महत्व

इकाई–2

अ) भारतीय दर्शन – जैन दर्शन का द्रव्य विचार, स्यादवाद, बौद्ध दर्शन का क्षणिकवाद, निर्वाण, सांख्य – प्रकृति पुरूष एवं विकासवाद, योग–ईश्वर एवं अष्टांग योग, न्याय – ज्ञान मीमांसा (प्रमाण मीमांसा), वैशेषिक – पदार्थ मीमांसा

ब) मीमांसा – ख्यातिवाद एवं कर्मवाद, अद्वैत वेदान्त – साधन चतुषटय, विशिष्टाद्वैत – माया का खण्डन एवं समीक्षा, समकालीन भारतीय दर्शन की मुख्य प्रवृत्तियां एवं मुख्य दार्शनिकों का परिचय

इकाई–3

अ) पाश्चात्य दर्शन – बुद्धिवादी दार्शनिक – डेकार्ट स्पिनोजा लाईबिनीत्ज के अनुसार तत्व मीमांसा अनुभववादी दार्शनिक – लॉक, बर्कले, ह्यूम के अनुसार ज्ञान मीमांसा

ब) काण्ट का समीक्षावाद, हीगल व ब्रेडले का प्रत्ययवाद, मूर एवं रसेल का वस्तुवाद, समकालीन पाश्चात्य मुख्य दर्शन की प्रवृत्तियां एवं समकालीन पाश्चात्य मुख्य दर्शनिकों का परिचय

इकाई–4

अ) नीति शास्त्र – आवश्यकता एवं स्वरूप, शुभ अशुभ, इच्छा स्वातन्त्रय, नैतिक निर्णय, मूल्यात्मक एवं तथ्यात्मक

ब) मैटाएथिमस – अधिनीतिशास्त्र, संज्ञानात्मक एवं असंज्ञानात्मक सिद्धांत

इकाई–5

अ) धर्मदर्शन – धार्मिक निष्ठा एवं अनुभूति ईश्वर के अस्तित्व संबंधी तर्क, सृष्टि विषयक, तत्व विषयक एवं प्रयोजनात्मक

ब) तर्कशास्त्र – आगमन–निगमन, सत्यता वैद्यता, तर्कवाक्य एवं उसका वर्गीकरण तार्किक दोष एवं तार्किक प्रतीक

Letter (263)

नोट!— भाग 'ब' वस्तुनिष्ठ अनिवार्य 50 प्रश्नों का होगा। प्रत्येक प्रश्न 1 नम्बर का एवं दर्शनशास्त्र विषय से सम्बन्धित होगा।